भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या: 111

उत्तर देने की तारीख: 11.02.2019

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी

***111. श्री एम. मुरली मोहनः**

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी का संयुक्त प्रवेश परीक्षा मुख्य तथा राष्ट्रीय प्रवेश पात्रता परीक्षा को वर्ष 2019 से एक वर्ष में दो बार एवं ऑनलाइन विधि से आयोजित किये जाने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो क्या दोनों परीक्षाओं के लिए शुल्क ढांचा, पाठ्यक्रम तथा परीक्षा पद्धति इत्यादि से संबंधित कार्यविधियां समान हैं अथवा अलग-अलग हैं;

(ग) इन दोनों परीक्षाओं हेतु ऐसी कार्यविधियों का ब्यौरा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में कम्प्यूटर सेंटरों की स्थापना की कार्यविधियों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या मंत्रालय एम्स/जेआईपीएमईआर परीक्षा वर्ष 2019 से वर्ष में दो बार आयोजित करने पर विचार कर रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्री

(श्री प्रकाश जावडेकर)

(क) से (घ): एक विवरण सभा-पटल पर रख दिया गया है।

*****

'राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी' के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री एम. मुरली मोहन द्वारा दिनांक 11.02.2019 को लोक सभा में पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न सं. 111 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (घ): सरकार ने उच्चतर शैक्षणिक संस्थाओं में प्रवेश/अध्येता परीक्षाएं आयोजित करने के लिए प्रमुख परीक्षण संगठन के रूप में राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) स्थापित की है। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी परीक्षाओं की रूपरेखा बनाती है और उनका संचालन करती है, जो मानक अनुरूप, विश्वसनीय और तकनीकी दृष्टि से सही होते हैं। एनटीए ग्रामीण छात्रों को नि:शुल्क अभ्यास के विभिन्न विकल्प प्रदान कर उनके हितों की रक्षा करते हुए कम्प्यूटर आधारित परीक्षा आयोजित करती है। अब तक, एनटीए ने कम्प्यूटर आधारित प्रणाली का प्रयोग करते हुए यूजीसी-नेट, जेईई (मुख्य), जीपेट, सीमेट परीक्षाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। छात्रों के हितों की रक्षा करने और उन्हें अपना प्रदर्शन सुधारने के विकल्प उपलब्ध करवाने के लिए, एनटीए छात्रों को प्रत्येक वर्ष में बहुत बार परीक्षा देने और रैंक गणना में उनके सर्वोत्तम स्कोर को अपनाने का प्रतिपादन करती है।

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) के मामले में, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने अनुरोध किया था कि कुछ समय के लिए इन प्रवेश परीक्षाओं को पेन और कागज प्रणाली के माध्यम से आयोजित किया जाए। तदनुसार, वर्ष 2019-20 की नीट-यूजी परीक्षा का मई, 2019 में पेन और कागज प्रणाली में आयोजित किया जा रहा है।

जहां तक फीस संरचना, पाठ्यक्रम और परीक्षा पैटर्न का संबंध है, भारत में सामान्य और ओबीसी उम्मीदवारों के लिए प्रत्येक दो जेईई (मुख्य) परीक्षाओं, लड़कों हेतु 500/- रूपए और लड़कियों हेतु 250/- रूपए फीस रखी गई है। यह फीस एससी/एसटी उमीदवारों के लिए, लड़कों एवं लड़कियों हेतु 250/- रूपए है। नीट-यूजी परीक्षा के लिए सामान्य एवं ओबीसी उम्मीदवारों हेतु फीस 1400/- रूपए तथा अन्य आरक्षित श्रेणी उम्मीदवारों के लिए 750/- रूपए है। जेईई (मुख्य) और नीट दोनों की विषय-वस्तु कक्षा XI और XII के पाठ्यक्रम पर आधारित है और इसका पैटर्न बहु विकल्प प्रश्न (एमसीक्यू) है।

ग्रामीण छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, एनटीए ने 33 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के 622 जिलों में फैली देशभर की शैक्षिक संस्थाओं में लगभग 3400 परीक्षा अभ्यास केंद्र (टीपीसी) नेटवर्क स्थापित किए हैं, जहां छात्र सीबीटी परिवेश में मॉक टेस्ट के माध्यम से अभ्यास करने में समर्थ होते हैं। एनटीए ने एक 'मोबाइल ऐप' भी शुरू किया है, जहां छात्र अपने कम्प्यूटर या स्मार्ट फोन पर मॉक टेस्ट का अभ्यास कर सकते हैं और मॉक टेस्ट दे सकते हैं। ये सभी सुविधाएं छात्रों को नि:शुल्क दी जाती हैं।

एनटीए एआईआईएमएस/जेआईपीएमईआर परीक्षाओं का आयोजन नहीं करती है।

*****